



श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



श्री भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री

मोदी की गांवी

भजनलाल सरकार का दृष्टि साकार

युवाओं के लिए खुल रहे अवसरों के द्वारा

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव

मुख्य समारोह

29 जून, 2024 | प्रातः 11:00 बजे

टैगोर इंटरनेशनल स्कूल ऑडिटोरियम, मानसरोवर, जयपुर

मुख्य अतिथि

श्री भजनलाल शर्मा

माननीय मुख्यमंत्री

अध्यक्षता

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

माननीय मंत्री, कौशल,

नियोजन एवं उद्यमिता विभाग

विशेष अतिथि

श्री मदन दिलावर

माननीय मंत्री,
शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग

श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर

माननीय मंत्री,
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग

श्री के.के. विश्वोई

माननीय राज्यमंत्री, कौशल,
नियोजन एवं उद्यमिता विभाग

राज्य एवं जिला स्तरीय रोजगार उत्सवों का नियंत्रण आयोजन

प्रथम रोजगार उत्सव में 20 हजार से अधिक नवनियुक्त राज्य कार्मिक शामिल

नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र एवं संवाद कार्यक्रम

“राज्य सरकार युवाओं के सपनों को साकार करने और उनके सुनहरे भविष्य के निर्माण के लिए दृढ़ संकल्पित होकर कार्य कर रही है। पारदर्शी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध तरीके से भर्ती प्रक्रियाओं को पूर्ण कर सकारी नौकरियों के इकूल पदों को भरना हमारी मुख्य प्राथमिकता है। पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने के लिए राज्य सरकार सरकारी सेवाओं को कार्यवाही कर रही है।”

- भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान

संपादकीय

विचार बिन्दु

यदि किसी को भी भूख-प्यास नहीं लगती, तो अतिथि सत्कार का अवसर कैसे मिलता। —विनोबा

बंजर होने से बचानी होगी कृषि भूमि

उ

प्रजापन की दृष्टि से सबसे व्यर्थ जमीन को बंजर भूमि कहा जाता है। मरस्थलीकरण तेजी से फैल रहा है, मिट्टी की उंडताल लगातार घटती जा रही है। ऐसे में बंजर भूमि का बढ़ना एक चुनौती बनती जा रही है। भूमि के बंजर होने की सम्भावना ने अज दिनिया को सामने एक बड़ी चुनौती पैदा कर दी है। भूमि की बंजर होने का सम्भावना ने अज दिनिया को बढ़ावा दिया है। जो भूमि के बंजर होने का खतरा निरंतर बढ़ावा दी जा रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार दिनिया में मात्र 11 प्रतिशत जमीन ही उजागर है। मरस्थलीकरण का क्षेत्रफल बढ़ता जा रहा है। भारत में कुल 32 करोड़ 90 लाख हेक्टेयर जमीन में से 12 करोड़ 95 लाख 70 हेक्टर हेक्टर भूमि बंजर बताई जा रही है। बंजरपन का रक्कड़ा साल दर साल बढ़ता ही जा रहा है जिसे सख्ती से रोका नहीं गया तो देश में अनाज का संकट खड़ा हो सकता है। कृषि भूमि का मरस्थलीकरण और बंजर होने का खतरा थीरे-थीरे लागतों की जिदीयों का खतरा बन चुका है। इसी के साथ लाडों तक ही की विवाहित प्रजातियों के भी विलोपन इलाकों की खतरा बन चुका है। खेतों पर निर्भर लोग पलायन को मंजवर है। अनुमान यह है कि इस सदी के मध्य तक धरती की एक चौथाई मिट्टी बंजर हो चुकी होगी। अभी से इसकी चिंता ना की गई तो, यह संकट बड़े मानवीय संकट में बदल सकता है।

जलवाय चार्झ खरिन नहीं सहित सुखा, बाढ़ जरीनी लोकोनों की कहाई, अधिक चार्झ खरिन है और अतिथिक चार्झ खरिन के बाद लोगों की प्रयास के बाद जलवाय चार्झ खरिन है। अभी तक जलवाय चार्झ खरिन के बाद लोगों की जलवाय चार्झ खरिन है। जो दिन प्रतिवन गहराई जा रही है। हमारे लाख प्रयासों के बावजूद मरस्थल का फैलाव रोका नहीं जा सका है। इस समस्या की जड़ में एक बंजर जानवरनित करणों को बताया जा रहा है।

नीति आयोग के अनुसार भारत में 67.30 लाख हेक्टेयर भूमि कृषि योग्य भूमि में शांतिया और लवण्य का बढ़ने के कारण भूमि बंजर हो चुकी है। ऐसे बंजर भूमि लावायी है। अभी तक जलवाय चार्झ खरिन में लाभगा 20 लाख हेक्टेयर क्षारीय भूमि को और लाभगा 70 हजार हेक्टेयर लावायी भूमि को फिर से उपजाउ बनाया जा चुका है। बंजर हुए बंजर भूमि को फिर से उपजाउ बनाने के प्रयास किया जा रहा है, लेकिन यह एक बड़ी चुनौती है।

संकेत राज्य को एक रिपोर्ट के अनुसार दिनिया हर साल 24 अब टन उपजाऊ भूमि खो दी है। भूमि की गणना खाराब होने से राशीय घरेलू उत्पाद में हर साल आठ प्रतिशत तक का गिरावट आ तकी है। मरस्थलीकरण, भूमि क्षण और सूखा बड़े खरत हैं जिससे दिनिया भर में लाखों लोग, विशेषकर महिलाएं और बंजर होने का खतरा थीरे-थीरे लागतों की खतरा निरंतर गिरावट आने से उपजाउ बनाया जा चुका है।

भारत में कुल भूमि क्षेत्रफल करीब 329 मिलियन हेक्टेयर है। इसमें खेती करीब 144 मिलियन हेक्टेयर भूमि बंजर है। इसमें होती है, जबकि लगभग 178 मिलियन हेक्टेयर भूमि बंजर है।

सुधारने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। वहीं असिंचित एवं द्वूष से प्रभावित जमीन को भी खेती योग्य बनाया जा रहा है। वहीं असिंचित एवं द्वूष से प्रभावित जमीन को भी खेती योग्य बनाया जा रहा है।

योग्य बनाया जा रहा है।

मरस्थलीकरण शुक्र, अर्द्ध शुक्र और शुक्र उप-अर्द्ध जैसे वर्षायिक भूमि में से लगभग 3.70 लाख

भूमि क्षण और सूखा बड़े खरत हैं जिससे दिनिया भर में लाखों लोग, विशेषकर महिलाएं

और बंजर होने का खतरा थीरे-थीरे लागतों की खतरा निरंतर गिरावट आने से उपजाउ बनाया जा चुका है।

भारत में कुल भूमि क्षेत्रफल करीब 329 मिलियन हेक्टेयर है। इसमें खेती करीब 144 मिलियन हेक्टेयर भूमि बंजर है। इसमें होती है, जबकि लगभग 178 मिलियन हेक्टेयर भूमि बंजर है।

सुधारने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। वहीं असिंचित एवं द्वूष से प्रभावित जमीन को भी खेती योग्य बनाया जा रहा है। वहीं असिंचित एवं द्वूष से प्रभावित है। जबकि पूरे विषय में यह आँकड़ा लगभग 950 लाख हेक्टेयर के करीब बताया जाता है। जो मुदा ऊसर से प्रभावित है, इसी खेती योग्य बनाने की कवायद चल रही है।

आँकड़े बताते हैं कि वर्ष में वर्ष 1951 में मूल्य भूमि अनुपात 0.48 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति है,

जो दिनिया के न्यूटन अनुपातों में से एक है। वर्ष 2025 में घटक यह अकाड़ा 0.23 हेक्टेयर होने का अनुमान है। ऐसे में खेती की मूल्य संरक्षण के जरिए एक बड़ी चुनौती से निवाटा जा सकता है। ऐसे में उपजाऊ मिट्टी की सुरक्षा के साथ ही उपजाऊ की उपजाकरण की प्रभावित करता है।

लेकिन प्रयास किया जा रहा है। वहीं असिंचित एवं द्वूष से प्रभावित है। जबकि पूरे विषय में यह आँकड़ा लगभग 950 लाख हेक्टेयर के करीब बताया जाता है। जो मुदा ऊसर से प्रभावित है, इसी खेती योग्य बनाने की कवायद चल रही है।

आँकड़े बताते हैं कि वर्ष में वर्ष 1951 में मूल्य भूमि अनुपात 0.48 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति है,

जो दिनिया के न्यूटन अनुपातों में से एक है। वर्ष 2025 में घटक यह अकाड़ा 0.23 हेक्टेयर होने का अनुमान है। ऐसे में खेती की मूल्य संरक्षण के जरिए एक बड़ी चुनौती से निवाटा जा सकता है। ऐसे में उपजाऊ मिट्टी की सुरक्षा के साथ ही उपजाऊ की उपजाकरण की प्रभावित करता है।

लेकिन प्रयास किया जा रहा है। वहीं असिंचित एवं द्वूष से प्रभावित है। जबकि पूरे विषय में यह आँकड़ा लगभग 950 लाख हेक्टेयर के करीब बताया जाता है। जो मुदा ऊसर से प्रभावित है, इसी खेती योग्य बनाने की कवायद चल रही है।

आँकड़े बताते हैं कि वर्ष में वर्ष 1951 में मूल्य भूमि अनुपात 0.48 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति है,

जो दिनिया के न्यूटन अनुपातों में से एक है। वर्ष 2025 में घटक यह अकाड़ा 0.23 हेक्टेयर होने का अनुमान है। ऐसे में खेती की मूल्य संरक्षण के जरिए एक बड़ी चुनौती से निवाटा जा सकता है। ऐसे में उपजाऊ मिट्टी की सुरक्षा के साथ ही उपजाऊ की उपजाकरण की प्रभावित करता है।

लेकिन प्रयास किया जा रहा है। वहीं असिंचित एवं द्वूष से प्रभावित है। जबकि पूरे विषय में यह आँकड़ा लगभग 950 लाख हेक्टेयर के करीब बताया जाता है। जो मुदा ऊसर से प्रभावित है, इसी खेती योग्य बनाने की कवायद चल रही है।

आँकड़े बताते हैं कि वर्ष में वर्ष 1951 में मूल्य भूमि अनुपात 0.48 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति है,

जो दिनिया के न्यूटन अनुपातों में से एक है। वर्ष 2025 में घटक यह अकाड़ा 0.23 हेक्टेयर होने का अनुमान है। ऐसे में खेती की मूल्य संरक्षण के जरिए एक बड़ी चुनौती से निवाटा जा सकता है। ऐसे में उपजाऊ मिट्टी की सुरक्षा के साथ ही उपजाऊ की उपजाकरण की प्रभावित करता है।

लेकिन प्रयास किया जा रहा है। वहीं असिंचित एवं द्वूष से प्रभावित है। जबकि पूरे विषय में यह आँकड़ा लगभग 950 लाख हेक्टेयर के करीब बताया जाता है। जो मुदा ऊसर से प्रभावित है, इसी खेती योग्य बनाने की कवायद चल रही है।

आँकड़े बताते हैं कि वर्ष में वर्ष 1951 में मूल्य भूमि अनुपात 0.48 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति है,

जो दिनिया के न्यूटन अनुपातों में से एक है। वर्ष 2025 में घटक यह अकाड़ा 0.23 हेक्टेयर होने का अनुमान है। ऐसे में खेती की मूल्य संरक्षण के जरिए एक बड़ी चुनौती से निवाटा जा सकता है। ऐसे में उपजाऊ मिट्टी की सुरक्षा के साथ ही उपजाऊ की उपजाकरण की प्रभावित करता है।

लेकिन प्रयास किया जा रहा है। वहीं असिंचित एवं द्वूष से प्रभावित है। जबकि पूरे विषय में यह आँकड़ा लगभग 950 लाख हेक्टेयर के करीब बताया जाता है। जो मुदा ऊसर से प्रभावित है, इसी खेती योग्य बनाने की कवायद चल रही है।

आँकड़े बताते हैं कि वर्ष में वर्ष 1951 में मूल्य भूमि अनुपात 0.48 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति है,

जो दिनिया के न्यूटन अनुपातों में से एक है। वर्ष 2025 में घटक यह अकाड़ा 0.23 हेक्टेयर होने का अनुमान है। ऐसे में खेती की मूल्य संरक्षण के जरिए एक बड़ी चुनौती से निवाटा जा सकता है। ऐसे में उपजाऊ मिट्टी की सुरक्षा के साथ ही उपजाऊ की उपजाकरण की प्रभावित करता है।

लेकिन प्रयास किया जा रहा है। वहीं असिंचित एवं द्वूष से प्रभावित है। जबकि पूरे विषय में यह आँकड़ा लगभग 950 लाख हेक्टेयर के करीब बताया जाता है। जो मुदा ऊसर से प्रभावित है, इसी खेती योग्य बनाने की कवायद चल रही है।

आँकड़े बताते हैं कि वर्ष में वर्ष 1951 में मूल्य भूमि अनुपात 0.48 हेक्टेयर प्रति व्य



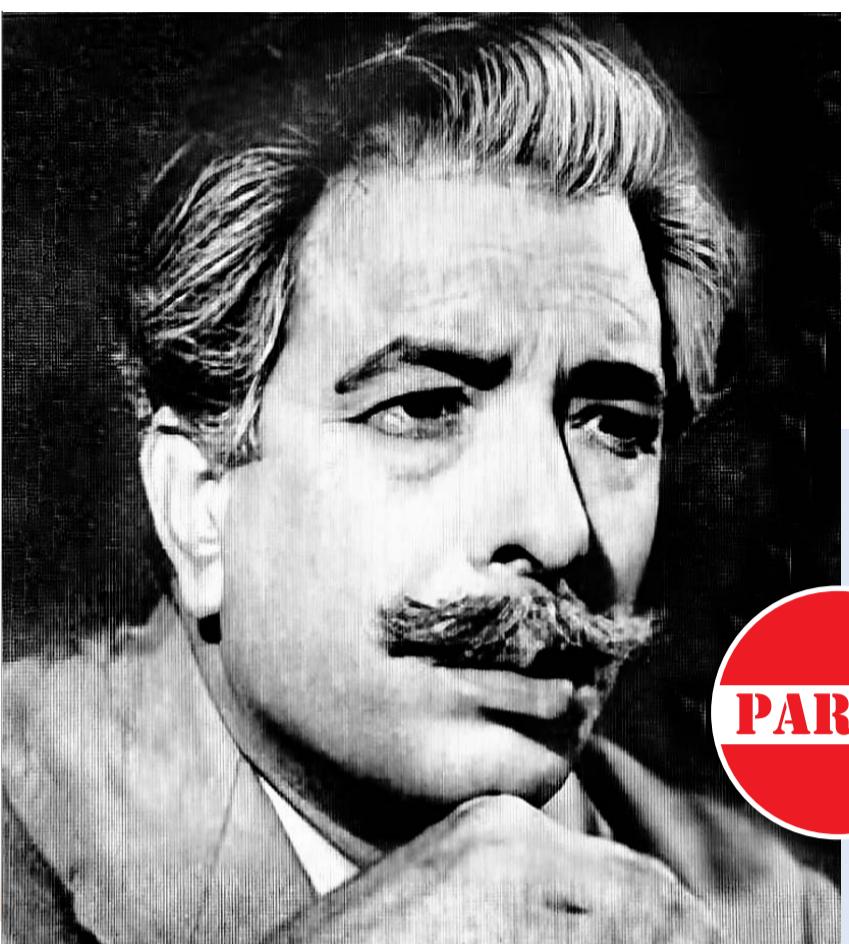
World Industrial Design Day

Industrial designers envision products that fill homes, offices, hospitals, and schools. These visionaries serve diverse working environments and create innovations to help serve the leaders of the global economy. They work tirelessly and out of sight to give people the best tools of the trade. *World Industrial Design Day* is a day dedicated to the industrial designers who create the vision of the future. Attend an industrial design expo, sign up for a class, and learn about the many exciting career opportunities for these innovative visionaries.

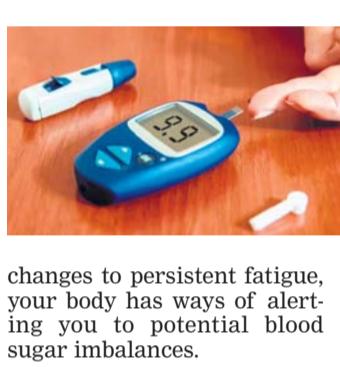
#HEALTH

This is what a body 'heading towards diabetes' looks like

Your body may be sending subtle signals long before a formal diagnosis



Diabetes is a chronic health condition that affects millions of people worldwide, often developing silently over time. However, your body may be sending subtle signals long before a formal diagnosis. Recognising these early warning signs can be crucial in preventing or managing the onset of diabetes. From unexplained weight



So, what are these Signs?

- **Stubborn fat** might need a medical scan for accurate measurement. But, if you carry a lot of weight around your middle and have trouble losing it despite diet and exercise, it might be a sign to discuss your risk with your doctor.
- **Skin tags** are small, benign flaps of skin that can appear anywhere on the body. While they're not dangerous, some studies suggest a possible link between having multiple skin tags and insulin resistance. However, more research is needed to confirm this connection.
- **A thick neck** can be caused by a variety of factors, including excess weight gain and goitre. While not a specific indicator of diabetes itself, a thickened neck, especially along with other risk factors or symptoms, might warrant a conversation with your doctor.

Some additional Early Physical Signs or Symptoms that indicate that you may be at risk

- **Increased thirst and urination:** This is a classic combination. When your blood sugar levels rise, your kidneys work extra to remove the excess glucose, making you thirsty and having to use the restroom more frequently.
- **Excessive hunger:** Even after eating, you may feel as though you have not had enough food in a day. This is because the sugar is not adequately absorbed by your cells, leaving them energy-starved.
- **Slow healing wounds:** Diabetes can affect circulation, making it harder for wounds to heal, increasing the risk of infection.
- **Fatigue:** Feeling constantly tired is another sign that your body isn't getting the energy that it needs from food.

Specific Biomarkers or Diagnostic Tests that help detect prediabetes or early-stage diabetes

2. **Fasting Plasma Glucose (FPG):** This test measures your blood sugar level after not eating for at least 8 hours.
3. **Fasting Insulin:** If you're already diagnosed with diabetes or prediabetes, a fasting insulin test, along with a blood sugar test, can help your doctor assess your insulin resistance. This information helps them tailor your treatment plan.



The Really long march of Kadam Kadam...

The loss of Singapore shattered Britain's illusion of permanence and reduced the prestige of the British Empire in the region. The Allies, too, started seeing European empires in Asia as unsustainable. So, until their final defeat at the end of WWII, the Japanese held Singapore. But about 40,000 men, mostly conscripted Indian soldiers, joined the pro-Independence *Indian National Army* (INA), formed by Rashbehari Bose with help from the Japanese. Soon, under the leadership of Subhash Chandra Bose, INA formed the provisional government, *Azad Hind*, that set in place its own currency, court and civil code. While Port Blair was identified as its provisional capital, Singapore continued to be the Capital in Exile.



#NAZIR HUSSAIN

Kadam Kadam Badhaye Jaa... March, March On...



On August 18, 1945, *Netaji Subhas Chandra Bose*, revered leader of the anti-British Provisional Government of Free India, was presumed to have died following an air crash off Taipei.



On August 18, 1945, *Netaji Subhas Chandra Bose*, revered leader of the anti-British Provisional Government of Free India, was presumed to have died following an air crash off Taipei. The British Lt. General Arthur Ernest Percival, OBE, commanded an 85,000 strong Allied troop in Singapore, which far outnumbered the Japanese troot that attacked, leading to the Battle of Singapore from February 8 to 15 of 1942. The Japanese General Tomoyuki Yamashita had advanced with only 30,000 men along the Malayan Peninsula. He entered through the Johor Strait and attacked the weakest part of the island defence, the forested area, which the British least expected to be breached. With few defence positions, little reserves and continuous bombing of their water supplies by Japanese aircrafts, Percival capitulated. Following his unconditional surrender, 80,000 British, Indian, Australian and local troops were taken Prisoner of War by the Japanese. Among them was *Nazir Chacha*, as we children would call him in later years. By then, India had been celebrating its independence, court and civil code. While Port Blair was identified as the Capital in Exile, ending with the film's here breathing his last after planting the Indian tricolour in Manipur.

In that film, the character of Balraj Vii, the hero's father, was enacted by the writer of the story, *Nazir Hussain*. Because he himself was not, long before this, a member of the INA in Singapore. He was born on May 15, 1922 in Ghaziabad, a city close to Banaras in Uttar Pradesh. His father, Shahabuddin Khan, was a guard with the Railways. So, he grew up in Lucknow, and then he too joined the railways as a fireman. But, within months, he joined the Indian Army. Why? The reason is not clearly known to me but I do know that before long, he was sent to Singapore in the Malaysian Peninsula.



for energy because it cannot use sugar efficiently.

• **Blurred vision:** High blood sugar levels can interfere with the fluids in your eyes, changing how light is focused on the retina. This can cause fuzzy vision, which is most noticeable when reading or looking at distant objects.

• **Slow healing wounds:** Diabetes can affect circulation, making it harder for wounds to heal, increasing the risk of infection.

• **Fatigue:** Feeling constantly tired is another sign that your body isn't getting the energy that it needs from food.

A majority of the erstwhile Japanese POWs now donned his uniform to fight the Commonwealth forces in the Burma Front, in order to secure India's freedom from Britain. The INA had its first major engagement in the *Battle of Imphal*. Under the command of the Japanese Fifteenth Army, it even breached the British defences in Kohima, even though the British-Indian Army soldiers attacked the INA soldiers as 'traitors'. This gave a greater impetus to the ongoing struggle for freedom within India. However, subjected to the Allied air dominance and outbreak of diseases, the forces suffered a catastrophic defeat and had to retreat, but not before a

Khushi Ke Geet Gaaye Jaa... With a song on your lips...

Now, since the former INA members found themselves at a loose end, *Nazir Hussain* once again turned to acting in plays. In one such play, *Sipahi ka Sapna / A Soldier's Dream*, he was spotted by Birendra Nath Sircar, the founder of New Theatres. The Calcutta based production house had adapted the technical innovations of Hollywood and Europe to turn the studio into an institution synonymous with the state of the art and artistic good taste in cinema.

At that point in time, B.N. Sircar was taken up with the thought of paying a celluloid tribute to *Netaji*, who had been buried in Elgin Street in Calcutta. In fact, the bonding between the two families went much beyond being good neighbours. Like Subhash Chandra's father, Janakinath Bose, B.N. Sircar's father, Sir Nripendu Nath was an eminent lawyer. He was a Law Member of the Viceroy's Executive Council, who went on to become the Advocate General of undivided Bengal (1934-39).

Sir N. N. owned multiple properties on Elgin Road, and Janakinath lived close by, in Woodburn Road. When his family grew to boast six daughters and eight sons, he approached Sir N.N. to let his family stay in one of the houses, 38/1 Elgin Road, while he built his own house next door, on 38/2. This is the house we know as *Netaji Bhawan* today. The bonding percolated to the next generation. Netaji's brother, Sarat Bose, became the same person, would address Sir N. N. as *Guruji*. And in 1932, when New Theatres built its second movie hall, *New Cinema* at Dharmatala, it was inaugurated by Subhash Chandra.

Not surprising that when Netaji was declared dead, B. N. Sircar wanted to pay him a tribute. And Nazir was the right man at the right time. Mr. Sircar introduced *Nazir Hussain* to Bimal Roy. The erstwhile soldier couldn't believe his luck. An offer for his story to be filmed, by the nationally celebrated New Theatres, under the direction of the renowned Bimal Roy! Would he be up to the task? To instill confidence in him, the director asked him to pen the dialogues and also to play a central character in the film. When *Pehla Admi* was released in 1950, Indian Cinema got a writer who excelled as an actor. He was so

To be continued...



Asit Sen, Nabendu Ghosh and Nazir Hussain.

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS



#CLOTHING

Brocade Silk Saris *Saris*

Since it is an organic fabric, you must take care of your silk outfits to preserve and save them from agents of deterioration



Le's be honest. Although, we might not wear them very often, we all love our silk saris. It might be because we spent considerable time purchasing them for some special purpose and also because they are evergreen. These saris hold a lot of memories from when we wore them.

While *silk saris* are a much-treasured piece of clothing, owned by various women in the Indian sub-continent and abroad, the fabric is prone to insect attacks, or loss of sheen and colour, among other things. As such, one needs to be extra cautious when taking care of these textile heirlooms. So, if you are looking for ways to preserve your cherished *sari*, we've got you covered with a few simple tips.

Tips to keep your Silk Sari looking new.

1. Store the silk brocade sari/ suit in a clean and dry muslin or cotton bag to avoid dust accumulation. The muslin or cotton should be de-starched and unbleached. Nowadays, such sari bags are easily available on online marketplaces. One should prefer buying the plain cotton ones in white colour and wash them thoroughly before used.
2. Before packing away your silk saris for winter, make sure there are no stains on them. Get them dry cleaned, and put them in the sun for a few hours before storing.
3. Avoid keeping any woolen fabrics, plastic items, rubber bands and metallic objects near your silk brocade sari as these can lead to the corrosion/ tarnishing/ blackening of *sari*.
4. It is equally important to pay attention to the storage space/ area. Your valuable clothes should be stored in a clean and dry place. If required, keep sari gel packets in the storage area (not in direct contact with the object) to absorb moisture and keep the area dry.
5. Before packing away your silk saris for winter, make sure there are no stains on them. Get them dry cleaned, and put them in the sun for a few hours before storing.
6. Avoid keeping any woolen fabrics, plastic items, rubber bands and metallic objects near your silk brocade sari as these can lead to the corrosion/ tarnishing/ blackening of *sari*.
7. While wearing your silk brocade sari/ suit, do not use any kind of perfume or deodorants. If you wish to wear a fragrance, it should be applied carefully avoiding any contact with your garment. This might result in loss of shine and discolouration of the *sari*.



How often should you wash your silk saris/ suits?

Silk brocade saris/ suits do not need a wash after every use. But you can wash them after 3-4 uses or if there is a stain on them. It is always better to get them dry-cleaned professionally. If it is not an option, gently hand wash these saris in eze or gentle or reetha solution. You should be very careful, use light pressure, and not rub them aggressively. The *sari* should be lightly squeezed to remove excess water and left to dry in the shade. Rinse it thoroughly to remove all the traces of the washing solution used. Detergents and machine washing should never be used.

How to iron Silk Sari?

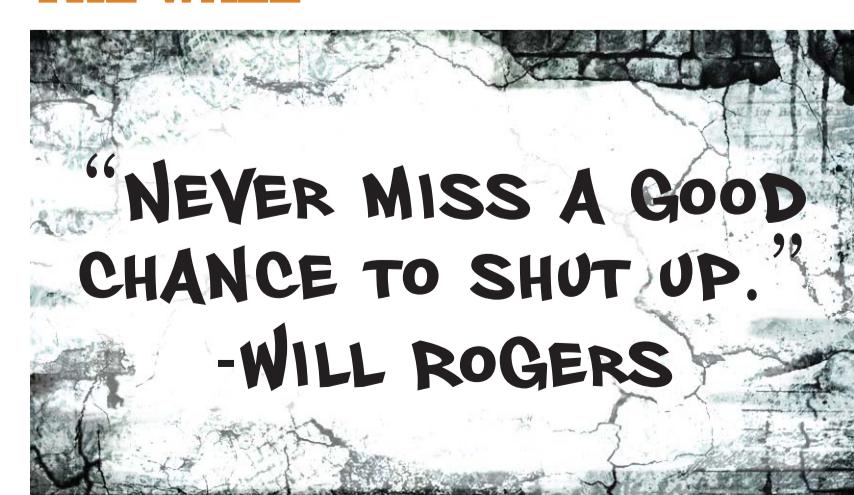
To iron a silk sari, you need to be extra careful. Ironing while holding silk sari as ironing them in a wrong way can lead to loss of sheen from the fabric. Always iron them on low temperature or use a steam iron to ensure zero damage to the fabric, while removing all the wrinkles and creases.

How to remove stains from Silk Saris?

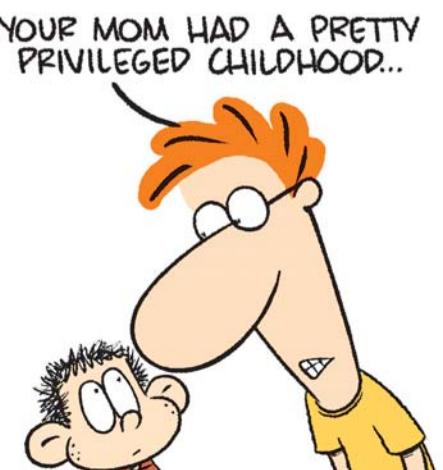
Blotting or stains on silk can be a nightmare but there are ways through which you can remove the stains in a gentle manner without harming the fabric. The most trusted way to remove stains from silk is the dry cleaners' secret tool, petrol. All you need to do is dab the stain with petrol for a few minutes and wash it off. You can also use liquid soap for stains like sweat and grease.

By Jerry Scott & Jim Borgman

THE WALL



BABY BLUES



By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS



सीमेंट कम्पनी प्रबंधन की दबंगई के खिलाफ ग्रामीणों का महापड़ाव शुरू

आबादी के निकट अवैध हैवी ब्लास्टिंग व क्रेशर चलाने का विरोध, अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के गेट नं. दो पर ग्रामीणों ने महापड़ाव शुरू किया

कोटपूरती, (निस). कस्बे के निकटवर्ती ग्राम जोधपुरा-मोहनपुरा में मोहनपुरा स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट कम्पनी द्वारा आबादी के निकट अवैध हैवी ब्लास्टिंग व क्रेशर चलाने के विरोध में शुक्रवार को जोधपुर-मोहनपुरा संघर्ष समिति द्वारा अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के गेट नं. दो पर महापड़ाव शुरू किया गया।

सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम शुक्लावास ने बताया कि अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट द्वारा आबादी के नजदीक क्रेशर युनिट चलाने से ग्रामीण परेशान हैं व आबादी के निकट ब्लास्टिंग के धमाकों से ग्रामीणों के मकानों से दरार पड़ गई है। इसी के साथ गांव मोहनपुरा (जोधपुर) अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के लौज एवं याद एवं आने से परेशानी आर बढ़ गई है। अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट ने गांव के 120 घरों को परेशान कर दिया है वाकी लोगों को परेशान होकर अपने आप गांव से पलायन के लिये परेशान करने के प्रयास किये जा रहे हैं। ग्रामीणों पर छुटे मुकदमे लगाये जा रहे हैं। ग्रामीणों में गांव में क्रेशर चलाते हैं और ग्रामीणों पर निगरानी रखी जाती है। परेशान धरनाधियों ने 569 जो सुनवाई होने तक जारी रखी।



जोधपुर-मोहनपुरा संघर्ष समिति ने ग्रामीणों के साथ रैली निकाली।

दिनों तक धरना प्रदर्शन के बाद अध्यक्षता करते हुए प्रभुद्वयल पहुंचे। शुक्रवार को मोहनपुरा का ग्राम वाना अहरी, शुक्लावास, सुन्दरपुरा, पवानवार शर्मा समेत ग्रामीण महिलायें गेट नं. दो पर महापड़ाव शुरू किया है।

नारेवाजी करते हुए महापड़ाव में अध्यक्षता करते हुए प्रभुद्वयल गुरुजी ने बताया कि शुक्रवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण रेली के रूप में गोरखनपुरा, कंवरुगा, बड़नगर सहित

‘आबादी के निकट ब्लास्टिंग के धमाकों से ग्रामीणों के मकानों में दरार पड़ गई है।’

दर्जनों गांवों के लोगों ने समर्थन दिया। इस दौरान पूर्व संसर्व संवरमल शर्मा, पूर्व संसर्व इड. महेश यादव, परसप्त्र प्रतिनिधि विक्रम सिंह कपाणा, भगवती प्रसाद मीणा, शक्तरताल मीणा आदि ने भी आना समर्थन दिया।

महापड़ाव में दो ग्रामीण महिलाओं की वज्र से तरब्यत विगड़े पर सीएचसी नारेवा से मेडीकल टीम ने पहुंचकर प्राथमिक उपचार के बाद राजकीय बोर्डेस जिला अस्पताल में रैफर कर दिया। इस दौरान संसर्व संवरमल शर्मा, पूर्व संसर्व यादव, भूमिहं धानका, सपाल यादव, मूलायम यादव, उमराव पोषवाल, समजसेवी पूर्ण यादव, राकेश खोला, कमल जाट, ग्यारसी लाल अर्य, राधेश्याम खोला व पवानवार शर्मा समेत ग्रामीण महिलायें गोरखनपुरा, कंवरुगा, बड़नगर सहित गोरखनपुरा रही।

जयपुर ग्रामीण क्षेत्र में महत्वपूर्ण यात्री ट्रेनों के ठहराव की मांग



जयपुर ग्रामीण संसद राव राजेंद्र सिंह (दांये) ने नई दिल्ली में केन्द्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव (बीच में) से मुलाकात कर शुभकामनाएँ दी।

जयपुर, (निस). जयपुर ग्रामीण संसद राव राजेंद्र सिंह ने नई दिल्ली में केन्द्रीय रेलमंत्री वैष्णव (बीच में) के सचिव कैलास यादव, भूमिहं धानका, सपाल यादव, मूलायम यादव, उमराव पोषवाल, समजसेवी पूर्ण यादव, राकेश खोला, कमल जाट, ग्यारसी लाल अर्य, राधेश्याम खोला व पवानवार शर्मा समेत ग्रामीण महिलायें गोरखनपुरा, कंवरुगा, बड़नगर सहित गोरखनपुरा रही।

नागरू-जयपुर-सुपरफास्ट एक्सप्रेस, अजमेर-अमृतसर, बिलासपुर-बीकानेर-जोधपुर, साबरमती-जोधपुर, उदयपुर-दिल्ली हमसफर एक्सप्रेस, शालीमार-मालानी एक्सप्रेस, फुलेरा-मंत्रालयों का पदभार मिलने पर विभिन्न रेल स्टेशनों पर महत्वपूर्ण यात्री ट्रेनों के ठहराव की मांग रखी, जिनमें से संसद राव राजेंद्र सिंह ने जयपुर-झालाचाड़-कोटा-श्रीगंगानगर-एक्सप्रेस द्वारा ठहराव की मांग रखी। जिस रेलवे एक्सप्रेस द्वारा ग्रामीण यात्री ट्रेनों के एक्सप्रेस, लौतावर एक्सप्रेस, जयपुर-ठारहराव की मांग की।

नागरू-जयपुर-सुपरफास्ट एक्सप्रेस, अजमेर-अमृतसर, बिलासपुर-बीकानेर-जोधपुर, साबरमती-जोधपुर, उदयपुर-दिल्ली हमसफर एक्सप्रेस, शालीमार-मालानी एक्सप्रेस, फुलेरा-मंत्रालयों का पदभार मिलने पर विभिन्न रेल स्टेशनों पर महत्वपूर्ण यात्री ट्रेनों के ठहराव की मांग रखी, जिनमें से संसद राव राजेंद्र सिंह ने जयपुर-झालाचाड़-कोटा-श्रीगंगानगर-एक्सप्रेस द्वारा ठहराव की मांग रखी।

बिजयनगर में बरसात से कई जगह जल भरव हुआ

बारिश ने प्रशासन की व्यवस्थाओं की पोल खोली



बिजयनगर में बरसात से बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया।

बापू बाजार, लक्ष्मी नारायण मंदिर, बापू बाजार जलाशय बन गया। बापू बाजार, लक्ष्मी न

